



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 11, 1986 (पौष 21, 1907)  
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 11, 1986 (PAUSA 21, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ	विषय सूची	पृष्ठ
153	भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	५०८
5	भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	
39	भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	
1	भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	
9	भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विधियम	
*	भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विधियों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	
*	भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयको पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	
*	भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संचालित जेलों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	821
*	भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संचालित जेलों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	17
*	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	—
*	भाग III—खंड 4—विधिवत अधिसूचनाएं जिनमें (सांख्यिक विधियों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं)	13
*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निवासियों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	3
*	भाग V—पंचजी बीच हिन्दी दोनों में अथवा और पुराने के आकरों को बिछाये जाया जाय	*

पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

# CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	5	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	39	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India? ..	821
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	9	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	17
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	13
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	3
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं  
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

निल मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1986

सं० 11012/3/85-आई० ई० एम०—निम्नलिखित सेनाओं में श्रेष्ठ—की रिक्तियों को भरने के लिए 1986 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं:—

- (1) भारतीय भ्रष्ट सेवा, और
- (2) भारतीय सांख्यिकी सेवा

2. परीक्षा परिणामों के आधारे पर भरो जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का प्रारम्भ सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से की जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार:—

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा आवश्यक हो या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहले जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया था, या
- (ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कोरिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जॉर्जिया, मालवी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्रता (एलिजो-बिलिटी) पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पत्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पत्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1986 को 21 वर्ष पूरी हो किन्तु 26 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1960 से पहले और 1 जनवरी, 1965 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी:—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (6) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो), है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-बूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजबूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (8) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (9) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

- (10) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (11) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निरुद्ध किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) संयुक्त गणराज्य से प्रजनन किया हो या जाम्बिया, मालावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जाम्बिया, मालावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मियों को प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 से कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्य मुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीने के अंदर पूरा होता है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ।
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मियों को प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं । इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीने के अंदर पूरा होता है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ।
- (16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रजनन कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ।
- (17) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रजनन कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ।
- (18) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक ।

- (19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति प्रथम अनुसूचित जनजाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक ग्यारह वर्ष तक ।

टिप्पणी:—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियमावली के नियम 5 (ख) (14) और 5 (ख) (15) के अधीन आयु सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं ।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

6. भारतीय ग्रंथ सेवा के लिये उम्मीदवार के पान केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्व विद्यालय की या संसद के अधिनियम, 1956 द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकीय या गणितीय या अर्थशास्त्र सहित डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए ।

टिप्पणी I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है । यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों, तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितम्बर, 1986 तक प्रस्तुत नहीं करते हों तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है ।

टिप्पणी II : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पान पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशर्त कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण की हो, जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे ।

टिप्पणी III : यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त हो, किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है ।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परा 6 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी ।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकांक्षिक या दैनिक दर कर्मचारी से उच्च स्थायी या अस्थायी हिसाब से या कार्य-प्रभावित कर्मचारियों की हिसाब से काम कर रहे हैं अथवा जागरूकता उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिचय (प्रोडक्टिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है ।

उम्मीदवारों को स्पष्ट रचना चाहिए कि यदि आयोग को उनके न्योक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने का सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र प्रस्थोक्त/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (मर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए सम्बन्ध प्राप्त किया हो, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख किए हैं जिनमें तथ्यों में फेर-बदल किया गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किन्हीं अन्य अनियमित, अथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुसूचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो प्रशस्त भाषा में या अभद्र भाष्य की हों, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का भ्रम्यन्त्रण किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (xi) उम्मीदवारों को भेजे गए परीक्षा की अनुमति विषयक प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है, अथवा
- (xii) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी काम को करने या करने के लिए अभ्यस्त करने का प्रयास किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि के लिए
- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत तमाम में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई भी विचार न कर लिया गया हो

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय में निश्चित करें तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों इन जातियों के लिए प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकें तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों के आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनको इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुशंसा की जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिसकी अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निणय किया जाता है वे नियुक्तियाँ उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए प्रारक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके प्रारक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी, बशर्त कि वे उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा, आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देते समय स्थगित किए गए बरीयता क्रम पर उचित रूप में विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक हों उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाए गए बरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रीजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित बाकटरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता तो नियुक्ति नहीं की जाए। व्यक्तिगत परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा कराया जा सकती है।

टिप्पणी :—कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सत्र के साथ के किसी सरकारी ज्विरमा अधिकारी से अपनी जांच करावा-ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की बाकटरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए,

इसके अग्रे इन नियमों के परिशिष्ट-III में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के पूर्ववर्ष विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निम्न हुए सैनिकों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरों की जांच के स्तर में भी जायगी।

#### 18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सरवर्ग में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।

बी० सुकामणियन, निदेशक

#### परिशिष्ट I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग I—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग II—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए, जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अंतर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

क्रम सं०	विषय	कोड सं०	अधिकतम अंक	दिया गया समय
1	2	3	4	5
<b>क. भारतीय अर्थ सेवा</b>				
1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सामान्य अर्थशास्त्र-I भाग-I	03	200	3 घंटे
	भाग-II	04	50 अंक 1 घंटा	
			150 अंक 2 घंटे	
4.	सामान्य अर्थशास्त्र-II भाग-I	05	200	3 घंटे
	भाग-II	06	50 अंक 1 घंटा	
			150 अंक 2 घंटे	
5.	भारतीय अर्थशास्त्र भाग-I	07	200	3 घंटे
	भाग-II	08	50 अंक 1 घंटा	
			150 अंक 2 घंटे	

विशेष ध्यान :—उपर्युक्त क्रम सं० 3 से 5 तक के विषयों के प्रश्न-पत्रों के मामले में यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर परीक्षा भवन में नहीं पहुँचता है और प्रश्न-पत्र के भाग की परीक्षा में प्रवेश नहीं ले पाता है तो वह उक्त प्रश्न-पत्र के भाग में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

#### (ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सांख्यिकी I	09	200	3 घंटे
4.	सांख्यिकी II	10	200	3 घंटे
5.	सांख्यिकी III	11	200	3 घंटे

टिप्पणी—सामान्य अंग्रेजी सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न-पत्र में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

टिप्पणी I—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों में संबंधित प्रश्न-पत्र के भाग में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग में संक्षिप्त उत्तर और निबंध वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

टिप्पणी II—भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 से 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न-पत्र में निबंध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट V अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न-पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं, नोटिस के अनुबंध II पर उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका देखिए।

नोट :—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुछ अंकों में से कुछ काट लिए जाएंगे।

7. केवल सही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में मुख्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग के की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हो तोलाँ और मापों की केवल मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को परंपरागत (निबंधात्मक) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पॉकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र (परीक्षा पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे शून्य परीक्षा भवन में न जाएं।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

#### अनुसूचित भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे विज्ञान की तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और मिडॉन की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

સામાન્ય શ્રેણી (કોડ સં ૧)

प्रश्न दस प्रकार पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों को अंग्रेजी समझने और संयोजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जाँच हो सके।

सामान्य अध्ययन (कोड सं० 02)

सामान्य अध्ययन को प्रश्न-पत्र में जवाब पर्याप्त हो जाना ही शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जहाँ आर्थिक नियंत्रण और व्यवस्था से संबंधित और जिनको वैधानिक दृष्टिकोण से एक पड़ाव-विद्या प्राप्ति सम्भव सकता है। इस प्रश्न-पत्र में सारा संक्षिप्त और शीघ्र से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका सार उत्तर विधेय तब तक ही सम्मोदित दे सके।

सामान्य अर्थशास्त्र (भाग 1 के लिए) कोड सं० 03

और भाग 1 के लिए 04)

उपजीवता की मांग का निश्चय भट्टस्या तथा मिश्रकृत पण्ड ग्रंथभाषाणां अभिगम ।

सत्याजन का सिद्धांत, उत्पादन के तन्त्र, उत्पादन कृत्र, प्रतिफल के निबन्ध, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन ।

मूल्य का सिद्धांत विपणन व्यवस्था के विभिन्न स्तरों में बहुत निर्धारण सांख्यिकीय उपयोगिता महत्त्व ।

वितरण का सिद्धांत : उत्पादन के तत्त्वों का मूल्यन, भाड़ा मजदूरी  
 भाज और लाभ के सिद्धांत, विभाजन वितरण सिद्धांत, संतुलन समस्या  
 आय वितरण में असमानताएं ।

कथाया मूलक ग्रन्थशास्त्रः प्राचीन और नवीन कथाया मूलक ग्रन्थशास्त्र,  
अतिप्रति, नियम, अतिमूलक ग्रन्थियाः ---

राष्ट्रीय भाव की अवधारण : सामाजिक क्षेत्र, नियोजन का सिद्धान्त, विवेक और मृदास्फुटि, शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के बारे में कीन्स का सिद्धान्त और कीन्स के बाद की गतिविधियाँ ।

सामान्य श्रवणशास्त्र ॥ (भाग १ के लिए कोड सं०

05 और (भाग II के लिए, 06)

प्राथमिक विकास की अवधारणा और उसका भागत-विकास के मिश्रित विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं। जनसंख्या वृद्धि और प्राथमिक विकास।

**आयोजन; अवधारणा और प्रक्रिया:--** प्राथिक समान की पूजावादी और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन विभिन्न पथ अवस्था में आयोजन, परिदृश्यात्मक आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रक्रियाओं का चयन ।

**अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र :** अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के निश्चिंत, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें व्यापार नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार प्रोत्साहन आर्थिक विकास व्यापार शक्त पद्धति के सिद्धांत ।

**भुगतान संतुलन :** भुगतान संतुलन में अग्रमानना, समवन की प्रक्रिया विदेश व्यापार, वित्तियम की दरें, आपात और नियम नियंत्रण ।

आई० एम० एफ० और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रण सुधार : श्री० ए० टी० टी०  
जनिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता, आई० बी० आर० डी० और  
उसके अनुबंध ।

भूषा: उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केंद्रीय और प्रांतीयक बैंकों के कार्य ।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य, कराधान और व्यय के सिद्धांत, सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभाव, योग्य बचत-खाते की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक ह्यूम का विकास।

प्रबंधशास्त्र सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय प्रभाव और विवेक  
के माप और परिणामों के बुनियादी उत्तरों का माप ।

भारतीय अर्थशास्त्र (भाग 1 के लिए कोष्ठ

सं० ०७ और भाग ॥ के लिए ०८)

भारतीय प्रथमवस्था के युतिवादी सञ्चन-विकास तंत्र-गुणि और उद्योग की भूमिका-विदेश व्यापार की भूमिका-सुतन्त्रित विकास की प्रणयारणा ।

आयोजन : उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंचवर्षीय योजनाएं—  
साधन संपादन की समस्या ।

कृषि : नया कृषि तंत्र—सूक्ष्मजंतु और भू सुधार—रेहानो नाख निवाई  
और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फल  
आयोजन—सामुदायिक विकास—उपजीविका और प्रागोष्ठान ।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इनका स्वातन्त्र्यपूर्ण में सहकारी प्रादोलन का विकास ।

उद्योग : औद्योगिक विकास का अर्थ-स्वयं निवेश को पसन्दा --  
 बह्याकार और लघु उद्योगों की समस्याएँ -- औद्योगिक नीति -- औद्योगिक  
 संस्थाएँ -- औद्योगिक वित्त के संसाधन -- विदेशी पूंजी की भूमिका -- सार्व-  
 जनिक उद्यम : संगठन, प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनियता, मूल्य नीति ।

श्रम : रोजगार, बेरोजगारी और कम रोजगारी—प्रौद्योगिक संबंध  
और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति ।

विदेशी व्यापार : भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—  
विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भुगतान संयुक्त ।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विपणन का संगठन—वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंक की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति ।

सार्वजनिक विरल : वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि—  
कराधान नीति—संघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख  
स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्य  
के बीच वित्तीय संबंध

सांख्यिकी-1 (कोट सं० 09)

नोट : केवल कृत्स्नपरक (बहुविकल्पीक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे

(प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रशानता) माप सिद्धांत के तहत—प्रसिद्ध परिभाषाओं और स्वयं सिद्ध अभिगम—प्रतिबंध प्रकाश संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता के नियम—घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता—बेयर्स का प्रमेय—संयोगिता विवरण—विरल और अविरल—वितरण कार्य—मातृक प्रायिकता वितरण—बर्नौली, समरूप, द्विपदीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, घातीय सामान्य, कांजी, पराज्याह, मितिय, बहुपदीय, लाप्लेस, ऋणद्विपदी, बीटा, गामा, लघुसामान्य तथा संकलित पाइसन वितरण—अभिमुख, वितरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और माध्य वर्ग में—ग्रायून्स और संचायक-गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंध अपेक्षा—लक्षणात्मक पलन और आधुन तथा प्रायिकता जनक कलन—बिसेम बिस्क्षणता और मातृ सिद्धांत—टेकेवाइचेक और कोलमोरोराव असमतानता—वृहतसंख्या नियम और स्वतंत्र विवरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धांत ।

सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथ्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—शार्ट, डायग्राम और हिस्टोग्राम—आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विक्षेपण और विषमता का माप द्विचर और बहुचर तथ्य—साहचर्य और आसंग—वक्र समजन और नाबिक बहुपद—द्विचर वितरण—द्विचर सामांय वितरण गमाश्रणन रेखीय बहुपदीय—सहस्रबन्ध गुणांक का वितरण—आंशिक और बहुत सह-संबंध अंतर्गणित सह-पंचय—तत्संबंध अंतर्पान ।

मानक ऋटियों और बृहत्त प्रविर्ण--परीक्षण प्रविर्ण वितरण S, t, X, Y और-- एक--ऊन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण--तैर-प्राप्तितोय परीक्षण--साइन,मीडियम, रन, विलकाकमन, मनविटनी, बाल्ड व्हफोचिङ्ग और--वरीयता क्रम सांख्यिकी--अल्पतम, अधिकतम, रेंज और मीडियम।

घाँकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लॉग रेंज, म्यूटन-रेगरी म्यूटन (विभाजित अंतर), गाय और स्टेल्सिंग पर प्रचलित भ्रष्टाचार सूत्र (शेष संभावना सहित),--यूलर मल्लारिन का--मंकलन सूत्र--विशेष अन्तर्वेशन--घाँकड़ों का समकलन और भ्रष्टाचार--प्रथम गुणक का विभेद समीकरण--स्थिर गुणकों के साथ एक भारतीय विभेद समीकरण--

सांख्यिकी--11 (कोड सं. 0)

नोट--केवल वस्तुपरक (बहु विकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे।

एकाध्वनीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक ध्वनीय आकलन का मिश्रित--गाम मार्फिक प्रतिष्ठान--कनिष्ठ वर्ग आकलन--सी--विशेष का प्रयोग--एक तरफा और दो तरफा वर्गीकृत सत्य का विश्लेषण--निश्चित, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान--समाश्रयण गुणकों के लिए परीक्षण--

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अधे आकलन के लक्षण--अध्यक्षिक संभावना, कनिष्ठ की वर्ग आधुनिक और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियाँ--अध्यक्षिक संभावना आकलन--केसर राब असमनता--भट्टाचार्य परिसीमा--पर्याप्त आकलन गुणन खंड प्रमेय--सम्पूर्ण आंकड़े--राब--ग्लेकावेल प्रमेय--विश्वास अंतराल आकलन--इष्टतम विश्वास परिसीमा।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना--दो प्रकार की त्रुटियाँ--कार्तिक क्षेत्र--विभिन्न प्रकार के कार्तिक क्षेत्र--घातु फलन--अत्यन्त प्रभावशाली और समान रूप से अत्यन्त प्रभावशाली परीक्षण--नेमन, परिसन आधार-भूत--अनभिन्न परीक्षण--स्पासीयु लाक परीक्षण--संभावना अनुपात परीक्षण--बाल्ड का SPRT-OC और ASN फलन--निर्णय के प्राथमिक तत्व और खेल मिश्रित।

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण--मध्य प्रसारक का आकलन और सहकारिता बहू--हार्टेलिंग का स्थानिक--महलनामिक का

स्थानिक--बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिदर्श में आंशिक और बहुल सहबंध गणना--विशेष का वितरण उसका प्रतिरूपण,त्मक और अन्य स्वभाव--विक्र का निरूपण--विशेषनात्मक पलन--प्रमुख घटक--नियमा-भुसार विचार और सहबंध

सांख्यिकी--111 (कोड सं. 11)

नोट--केवल निम्न शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें सूचीबद्ध और जटिल निरूपण आवश्यक नहीं।

भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

प्रतिदर्श विधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना ब्रह्मा प्रतिदर्श सर्वेक्षण--प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिदर्श सर्वेक्षण--प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल या द्विचर प्रतियोग्य और प्रतिदर्श आबंधन--सागत और विचरण फलन--आकलन की आनु-पातिक और समाश्रयी पद्धतियाँ--आकार के समानुपात में प्रायिकता सहित प्रतियोग्य--संतुल्य दुहरा बहुस्तरिय और व्यवस्थित प्रति-योजन--अंत प्रवेशी उप प्रतियोग्य--प्रतियोग्येतर त्रुटियाँ।

अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय श्रेणी के घटक--उनके निर्धारण की विधियाँ--विचरण विभेद पद्धति--बुल स्लस्की प्रभाव--सहसंबंध चित्र--प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयं समाश्रयी प्रतिदर्श--समाश्रय चित्र का विश्लेषण--मृत्यों और परिणामों के सूचकांक और उनके मापक गुण--घोक और खदरा मृत्यों के सूचकांक की रचना--आय वितरण--पेरिटों और इंगेल वक्र--एकायना वक्र--राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियाँ--खजानर प्रवाह--अन्तर्गतिकता तालिका।

भाग (ख)

उम्मीदवारों की निम्नांकित विधियों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर देने का विकल्प है।

(i) सांख्यिकीय गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विचरों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र--गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतियोग्य--एकल द्वंद्व, बहुल और ध्वंस्लात्मक प्रति-योजन योजनाएँ--

OC और ASN--पलन--AOQL और AT की I धारण--विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतियोग्य--डाइज रोमिक और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम--रेखागत कार्यापन के प्राथमिक तत्व--सिलेक्स प्रक्रिया--परिवहन और नियोजन समस्याएँ--इष्टात्मकता का नियम--एकल और बहुल आश्रयिक सूची नियंत्रण के नमूने विश्लेषण रेखा प्रतिदर्श के लक्षण--M/M ABLLC नमूने ग्राम नकली की समस्याएँ--नष्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनकिकी और अम-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन-तालिका, उसका निर्माण और लक्षण--मेथम और गामपट्स वक्र--राष्ट्रीय जीवन तालिकाएँ--राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने--संक्षिप्त जीवन तालिकाएँ--स्मर और स्थायी जनसंख्या--विभिन्न जन्म गतियाँ--कुल प्रजनन गतियाँ--कुल और निबल उत्पादन गतियाँ--विभिन्न मरण गतियाँ--मानकीकृत मरण गति--आंतरिक और अंतराष्ट्रीय प्रजनन--निबल प्रजनन अंतराष्ट्रीय और जनगणनेतर आकलन--वृद्धि, बाती वक्र सज्ज सहित प्रक्षेपण विधियाँ--भारत में दशाब्दीय जनगणना।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम--पूर्णरूप से या दृष्टिगत बनाए गए यादृच्छिक खंड और रैंडम चोक अधिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण--क्रमगणित प्रयोग और 2<sup>3</sup> और 3<sup>3</sup> प्रयोगों में संघम--खंड और उपखंड अधिकल्प--संतुलित और अर्ध संतुलित अरपूर्ण वर्ग अधिकल्पों की रचना और विश्लेषण--सहकारिता का विश्लेषण--सांख्यिकेतर तथ्यों का विश्लेषण लुप्त और मिश्रित व्युत्पत्तियों का विश्लेषण।

(iv) धर्मबोधि (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का मिश्रित और विश्लेषण--मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन--मांग की लोच--संरचना और नमूना--एकल समीकरण शैली में प्राचलों का आकलन--परस्परगत अत्यन्त वर्ग, साधारणीकृत अत्यन्त वर्ग--विप्रेयता क्रमागत सहसंबंध--बहुल सम-रेखीयता--विचार प्रतिदर्शों में त्रुटियाँ--समकालिक समीकरण प्रतिदर्श--तदारमकता, धरीयता क्रम और क्रम परिस्थितियाँ--परीक्षा अत्यन्त वर्ग और दो स्तरीय अत्यन्त वर्ग--अल्पकालिक आर्थिक भविष्य कथन।

भाग खमौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों को साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्ति की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से प्रार्थना की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याभ्यन के विशेष विषयों में ही दृष्ट-बुद्ध के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके धारों और अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई खोजों में रुचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासी उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं, अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजन मुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं की समझने की व्यक्ति की अभिव्यक्त



करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक समर्पता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक समर्पता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

#### परिशिष्ट—II

इस पीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त विवरण :

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-4 में परीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यक्षमता की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवानिवृत्त कर सकती है।

3. परीक्षा की अवधि या उसकी बड़ाई हुई अवधि भी सम्पत्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा भर्ती कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि सम्पन्न कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक विधियाँ उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. भारतीय ग्रन्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा के निर्धारित वर्तमान निम्नलिखित हैं :-

चयन क्रम सं० 2000-125/2-2250

(नान फंक्शनल)

ग्रेड-I निदेशक सं० 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त निदेशक सं० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप निदेशक सं० 1100-50-1600

ग्रेड-IV सहायक निदेशक सं० 700-40-900-40-40-1100-50-1300।

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड-IV में पदोन्नति समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय ग्रन्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा नियमों के उपबंधों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय ग्रन्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारियों की केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात् न कि किसी राज्य सरकार या गैर-सरकार संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तों तथा दृष्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केंद्रीय निवृत्ति सेवाओं में "क" के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगे।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्त के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

#### परिशिष्ट—III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं? ये विनियम स्वास्थ्य पीक्षकों (मेडिकल एक्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा गैर की गिफ्ट पर विचार करके उम्मीदवार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।)

1. निर्दिष्ट के लिए स्वास्थ्य उद्देश्य के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसी शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पाने की संभावना हो।

2. भारतीय (पेंसलॉइडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु कम और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में भाग-दशन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के अधिक से अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एकसरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा—वह अपने जूते उतार देगा और उस मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) से, इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय ऐडिडों के पांवों की उंगलियों या किसी भी हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी गेड़ियाँ, पिडलियाँ, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी, नीची रखी आंखों ताकि निर का स्तर (वर्टेक्स आफ द हेड लेवल) हारिजेंटल बार (भाड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और साधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है—उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा ताकि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। कीले को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोनों (इंफेरियर-ऐंगल्स) से लगा और कीले को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी छाड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि कीला अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गीर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। माप का रिकार्ड करते समय छाटे सेंटीमीटरों से कम से कम के विध (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट—प्रति निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई स्थूलतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की क्षमता के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :-

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
(डीक की हुई दृष्टि)		(डीक की हुई दृष्टि)	
6/9	6/9		
	या		
6/9	6/12	जे० I	जे०-II

दृष्टि नंबरों को प्रत्येक आंखों की पूर्ति करना हो।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बड़ सकता है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ.) दृष्टि क्षेत्र में सी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फं-टेशन मथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पेरामीटर पर निर्धारित किया जा जाता चाहिए।

(च) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)--साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है (1) विटामिन 'ए' की कमी के कारण और (2) टीना के शरीर रोग के कारण जिसकी ग्राम बजह रेटिनोटिस पिगमेंटोसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है और ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चलता है। इस रोगी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग से आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अधेरा अनुकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फंडस वा हो तो इलेक्ट्रोरेटिनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है। और विशेष प्रवण और सामान की आवश्यकता होती है। इसीलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मन्त्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षा क्या है और उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (वाक्यू-लर कंडीशन) :

- (i) आंख की उस बीमारी को या बहुतों हुई अपवर्तन दृष्टि (प्रोप्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।
- (ii) भेंगापन (स्कविट) : तकनीकी सेवाओं में जहां दिवनेदी (बाइनोकूलर) दृष्टि अनिवार्य हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।
- (iii) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति को एक आंख अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि हो सामान्य होर और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोझ हेतु विविध दृष्टि का प्रभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख :

- (i) को दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे० 1 का चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना हो बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में दृष्टि 4 डायोप्टर से अधिक न हो।

(ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो।

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संगठित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेंस -- उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइप किए गए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

#### 7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती है:-

- (i) 15 से 25 वर्ष के युवा आयु से अधिक व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों से ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में घाटी आयु जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :- सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की ओर 90 एम० एम० से अपर हायस्टालिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी इतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए, कि क्या हाइपर्टेंशन (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर बढ़ि बोड़ी समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्थनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रो कार्डिओग्राफी) करीवाई और रक्त यूरिया निकास (क्लेयरेंस) की जांच की नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने का न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

#### ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दावातरमापी (मर्करी मेरोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या खबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठे या लेटे हो बशर्ते कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिजेंट्स स्थिति में रोगी के पाशवं पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए भुजा पर, से कम्बे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अंदर की ओर रखकर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो बंध ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूस कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड घमनी (बेकिंगल आर्टरी) को दबा-दबा-कर बूझा जाता है तब तक इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० 0.00 जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की अधिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का काम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां धीरे धीरे सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई-सी लुप्त प्राय हो जाय, वह हायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी बोड़ी अवधि में

ही लेना चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए खोपकार होता है और इससे रीथिंग गलत हो जाती। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये भांयब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं) इस साइलेंट गैप से रीथिंग में गलती हो सकती है।

8 परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोथक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लूकोसूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस का मेडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेजेगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9 यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अश्वस्थ घोषित किया जाता चाहिए जब तक कि उसका प्रसव 1 न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टीशनर से अरोग्यता का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद अरोग्य प्रमाण पत्र के लिए उसको फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10 निम्नलिखित प्रतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन या (हियरिंग) एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जानी है :—

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा। यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीमल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
2. दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीमल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य है।
3. सेंद्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य।  
कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल

या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

- (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य
- (3) दोनों कानों में सेंद्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केबिटी से तबस नार्मल श्रवण

(1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधर कर 30 डेसीमल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।

5. बहुते रहने वाला कान-आपरेशन तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों किया या/बिना आपरेशन वाला प्रकार के कानों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।

6. नासापट की हड्डी सम्बन्धी/विस्म-ताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा

(1) प्रत्येक मामले में परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

(2) यदि लक्षणों सहित नासापट अपसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

7. टॉसिलस और/या स्वर मंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।

(1) टॉसिल और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य।

(2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

8. कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्बल ट्यूमर

(1) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(2) दूर ट्यूमर अयोग्य।

9. आस्टेक्लिरोसिस

श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीमल के अन्दर होने पर योग्य।

10. कान, नाक अथवा गले के जन्म-जात दोष।

(1) यदि काम काज में बाधक हो तो योग्य।

(2) भारी मात्रा में हलकाहट हो तो अयोग्य।

11. नेजल पोलो।

अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

- (ग) उसके दाँत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह खाने के लिए जरूरी होने पर नकली दाँत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दाँतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती का कीकड़ो है या नहीं उसका थिल या केकड़े ठीक है या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रक्खर है या नहीं।
- (छ) उसे हार्डकोसीस, बर्फी हुई बेरिफॉमिल बेरिकाजिशरा (बन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके बगैँ, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियाँ मलो-भाति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी स्क्वा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मांत कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उम्र या जीने बीमारी के निशान है या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान है या नहीं।
- (ड) उसे कोई संघारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं संदेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक दृष्टि अथवा विषयन (एबरेशन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविकास विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षा की अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण दृष्टि में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12 मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जायेंगे जो दूसरों के बारे में यह अन्त कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार आहत हो अपने शारीरिक होने के दावे के समर्थन में स्वस्था प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी, स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा केवल नहीं दिल्ली में होगी और स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की गयी यात्रा के लिए कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिए मखिमण्डल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्यवाई की जाएगी।

#### मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षा के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल यदि है, के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न अविष्य से भी उत्पन्न हो सम्बन्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व वैधान या अवायव्यों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में साधारणतः तीन सदस्य होंगे (1) एक कार्य चिकित्सक (2) एक शल्य चिकित्सक और (3) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथा-संभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सह्योजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर भेल सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड की इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिपोर्ट करनी चाहिए कि उम्मीदवार फेल सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत भूरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरों बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (ओथर्प या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिपोर्ट किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अग्रिम रूप से दिया जाना चाहिए।

#### (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित बातों की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

- 1 अपना पूरा नाम लिखें . . . . . (साफ अक्षरों में)
- 2 अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें . . . . .
- 3 (क) क्या अनुसूचित जाति या गोरख, गढ़वाली, असमिया, मागलैय जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित है जिसका अंशतः कद दूसरों से कम होता है 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

(क) क्या आपको कभी चेकक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रिपिया (ग्लैन्ड्स) का बढ़ना या इनसे पीप पड़ना, बूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, इमेजिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

प्रश्नवा

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शम्मा पर खंटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेकक का टीका प्राथिरी बार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की मधीरता (मथंसनेस) हुई ?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित थोरे हैं :—

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय आपके कितने आपके कितने हो तो उनकी पिता की आयु माई जीवित है, भाइयों की मृत्यु आयु और स्वास्थ्य और मृत्यु का उनकी आयु और हो चुकी है की प्रवस्था कारण स्वास्थ्य की प्रवस्था उनकी आयु और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित मृत्यु के समय माता आपकी कितनी आपकी कितनी हो तो उसकी आयु की आयु और बहनें जीवित हैं, बहनों की मृत्यु और स्वास्थ्य की मृत्यु का कारण उनकी आयु हो चुकी है मृत्यु प्रवस्था और स्वास्थ्य के समय उनकी की प्रवस्था आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या हमके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपको परीक्षा की है

8. यदि उपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बताइए किस सेवा/किम सेवाओं के लिए आपको परीक्षा की गई थी।

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो प्रश्नवा आपको मालूम हो।

मे जीवित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपयुक्त कथन की सच्चाईता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति को बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो कार्यस्थल नियुक्ति भ्रम (सुपर एम्प्लोयमेंट प्रलाप्टेस) या उपवान (प्रेम्प्टरी) के सभी शर्तों से हाथ धो बैठेगा।

(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक

परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास . . . . . प्रच्छा . . . . . बीच का

. . . . . कम . . . . . कम पोषण : पतला

. . . . . मीसत . . . . . मोटा . . . . .

कब बूने उतारकर . . . . . बजन

अत्यंत बजन . . . . . कब था ?

बजन में कोई हाल हो में हुआ परिवर्तन . . . . .

तापमान . . . . .

छाती का घेर . . . . .

(1) पूरा सांस बीजने पर . . . . .

(2) पूरा सांस निकालने पर . . . . .

2. त्वचा . . . . . कोई बहिरी बीमारी

3. नेत्र . . . . .

(1) कोई बीमारी . . . . .

(2) रक्तोष्मी . . . . .

(3) कलर बिजन का बोध . . . . .

(4) दृष्टि नेत्र (कीलब प्राफ बिजन) . . . . .

(5) दृष्टि तीव्रता (विजुअल एक्सीटी) . . . . .

(6) कम्बल की बांध . . . . .

दृष्टि की चरमे के बिना चरमे से चरमे की समता तीव्रता

गोल बर्तुल पक्सल

पूर की नजर वा० ने०

बा० ने०

बात की नजर वा० ने०

बा० ने०

4. कान : निरीक्षण . . . . . सुनना

. . . . . बाबा कान . . . . . बाबा

कान . . . . .

5. ग्रंथियां . . . . . बाहरादब . . . . .

6. दातों की हालत . . . . .

7. स्वसन तंत्र (रेस्पायरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने

पर सांस के धनों में से किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो

असमानता का पूरा ज्योरा दें।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलैटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई प्राणिक गति (प्राणिक जीवन)

गति (रेट)—

बढ़ने होने पर

25 बार कुवाए जाने के बाव . . . . .

कुवाए जाने के 2 मिनट बाव . . . . .

(ख) व्याव प्रेशर . . . . . सिस्टोलिक

. . . . . डायस्टोलिक ।

9. उदर (पेट) : घेर . . . . . स्पर्शित छूता

हर्निया :—

(क) दबा कर मालूम पड़ना/लिबर . . . . .

तिरणी . . . . . गुद

हृदयर . . . . .

(ख) रक्तार्क

अव्यंवर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिक वा मानसिक अव्यंवरता जगंवर

का संकेत . . . . .

11. जालतंत्र (नोकोमीटर सिस्टम)

की असमानता . . . . .

12. जनन मूल तंत्र (जैमिरी यूरिनरी सिस्टम)

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

ग्राह्योसीध बरिफोसिल प्राधि का कोई संकेत ।

- (घ) शास्त्र  
(ङ) कास्ट  
(च) कोशिकाएं (सैल)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य से कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, वेबे विनियम 9।

15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया।

(ii) क्या उम्मीदवार ज्ञेय सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :—

- (i) योग्य (फिट)  
(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण  
(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य जिसका कारण

स्थान:

तारीख:

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

संकल्प

सं० 47(7)/82-बो० नि० (खण्ड-बी)—इन मंत्रालय के 11 जून, 1985 के समसंख्यक संकल्प के अनुक्रम में रांगा नदी से अधिशेष बाढ़ जल को यमुना नदी में व्यपत्रित किए जाने की संभावनाओं को जांच करने वाली विशेषज्ञता समिति की अग्रिम पत्रद्वारा 1 नवम्बर, 1985 से 31 मार्च, 1986 तक बढ़ाई जाती है।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों प्रधान मंत्री का सचिवालय, राष्ट्रपति के निजी एवं सैनिक सचिव, भारत के नियंत्रक तथा महालेखाकार, योजना आयोग तथा जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग), गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, निर्माण तथा आवास मंत्रालय को सूचनार्थ भेज दिया जाए।

यह आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए तथा राज्य सरकारों से यह अनुरोध किया जाए कि इसे आम सूचना के लिए राज्य के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० जे० थोमस, आयुक्त (आर० बी०)

# MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) RULES

New Delhi, the 11th January 1986

No. 110/2/3/85-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1986 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and  
(ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be filed by the Commission.

4. A Candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or  
(b) a subject of Nepal, or  
(c) a subject of Bhutan, or  
(d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or  
(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st January, 1986 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1960 and not later than 1st January, 1965.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;  
(ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;  
(iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;  
(iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;  
(v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.  
(vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.

- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services, personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia;
- (xiv) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973.
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

(xviii) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

(xix) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

Note :—Ex-servicemen who have already joined Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 5(b)(xiv) & 5(b)(xv) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th Sept., 1986.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualification, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission with holding permission to the candidates' applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) Violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination' or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying the relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or, the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are



given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service (s).

18. No. person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

V. SUBRAMANIAN, Director

### APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

Sl. No.	Subject	Code No.	Maximum Marks	Time Allowed
1	2	3	4	5

#### A Indian Economics Service

1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	General Economics I	200		
	Part I	0350	marks-Part-I	1 hr. }
	Part II	04150	marks Part-II	2 hrs. }
				3 hrs.
4.	General Economics II	200		
	Part I	0550	marks Part-I	1 hr. }
	Part II	05150	marks Part-II	2 hrs. }
				3 hrs.
5.	Indian Economics	200		
	Part I	0750	marks Part-I	1 hr. }
	Part II	08150	marks Part-II	2 hrs. }
				3 hrs.

N.B.—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

#### B. Indian Statistical Service

1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	Statistics I	09	200	3 hrs.
4.	Statistics II	10	200	3 hrs.
5.	Statistics III	11	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see "Candidates Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

11. Candidates should use only International Form of Indian numeral (eg. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

### THE SCHEDULE

#### PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

**THE SCHEDULE**  
**GENERAL ENGLISH (Code No. 01)**

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

**GENERAL STUDIES (Code No. 02)**

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

**GENERAL ECONOMICS I (Code No. 03 for**

**Part I And 04 For Part II)**

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production; Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution; Pricing of factors of production. Theories of rent wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

**GENERAL ECONOMICS—II (Code No. 05 For**

**Part—I And 06 For Part—II)**

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy, international trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments, disequilibrium in balance of payments, Mechanism of adjustments. Foreign trade, multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms. GATT: International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects, and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical average and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

**INDIAN ECONOMICS (Code No. 07 for Part I and 08 for Part II)**

Basic features of the Indian economy : Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade, Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture: New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit, role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation; its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry: Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises; Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and income policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : Organisation of the India money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal Policy; Growth of Public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

**STATISTICS—I (Code No. 09)**

**NOTE :— ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET**

**Probability (40 per cent weight)**

Elements of measure theory. Classical definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of  $n$  events out of  $n$ . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variable—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants, Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

**Statistical methods (45 per cent weight)**

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression—linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of  $\bar{x}$ ,  $S^2$ ,  $\chi^2$  and  $F$ ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests/sign, median, run Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

*Numerical Analysis* (15 per cent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling, Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

## STATISTICS—II (Code No. 10)

NOTE :—ONLY OBJECTIVES TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

*Linear Models* (25 per cent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g-inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

*Estimation* (25 per cent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

*Hypothesis testing* (25 per cent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

*Multivariate Analysis* (25 per cent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's  $T^2$  statistic. Mahalanobis's  $D^2$  statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

## STATISTICS—III (Code No. 11)

NOTE : ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS. NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS WILL BE SET.

## PART (a) (Compulsory for all)

*Sampling Techniques* (35 per cent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Sample random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

*Economic Statistics* (25 per cent weight)

Components of time series. Methods of their determination—variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

## PART (b)

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 per cent weight)

Different kinds of control charts of variable and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Roming and other tables.

Operations research approach Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/1, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 per cent weight)

The life table, its construction and properties Makeham's and Gompert curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and pastcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 per cent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in  $2^2$  and  $3^2$  experiments. Split-plot and strip-plot design. Construction, and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 per cent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and other conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

## PART B

*Viva Voce*.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special

attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

## APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination :

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows :

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250  
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—  
40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Service will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services Group 'A'.

8. Condition of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

## APPENDIX III

### REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
6/9	or		
	6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of Vision*.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is emmetropic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

## 7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows.—

(i) With young subjects 15-25 years of the age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement, etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

## Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate

the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed.

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- |  |   |
|--|---|
| (1) Marked or total deafness in one ear other ear being a normal.                            | Fit for non-technical jobs if the deafness upto 30 decibel in higher frequency.   |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequency of 1000 to 4000. |
| (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.                            | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit.  |

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

- |   |  |
|---|--|
| (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.  |  |
| (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.  |  |
| (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.                             | (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.<br>(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid. |
| (5) Persistently discharging ear operated/Unoperated  | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.   |
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.<br>(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.  |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.   | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.<br>(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.  |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the ENT  | (i) Benign tumours—Temporarily Unfit.<br>(ii) Malignant Tumours—Unfit.   |
| (9) Otosclerosis.   | If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.  |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat.   | (i) If not interfering with functions—Fit.<br>(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.  |
| (11) Nasal Poly   | Temporarily Unfit.   |

(b) that his speech is without impediment;

- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt (Dep'tt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

#### *Medical Board's Report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the

appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional effection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that once of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be cooped as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad-terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

#### *(a) Candidate's statement and declaration*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters) .....
2. State your age and birth place .....
- (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race. ....
3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart, disease, lung disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis .....

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. When were you last vaccinated ? .....
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ? .....

Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of death
1			
2			
3			
Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at, and cause of death
1			
2			
3			

7. Have you been examined by a Medical Board before ? .....
8. If answer to above is 'Yes' please state what Service/Services, you were examined for .....
9. Who was the examining authority ? .....
10. When and where was the Medical Board held ? .....
11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known. ....

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature .....

Signed in my presence .....

Signature of the Chairman of the Board

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)  
Physical Examination

1. General development : Good..... fair.....  
Poor.....

Nutrition : Thin..... Average..... Obese.....  
Height (without shoes) ..... weight .....

Best Weight ..... When ? ..... any recent  
change in weight ? ..... Temperature .....

Girth of Chest :

- (1) (After full inspiration) .....
- (2) (After full expiration) .....

2. Skin : Any obvious disease .....

3. Eyes :

- (1) Any disease .....
- (2) Night blindness .....
- (3) Defect in colour vision .....
- (4) Field of vision .....
- (5) Visual acuity .....
- (6) Funds examination .....

Activity of vision.	Naked eye with glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.			
Near vision	R.E. L.E.			

4. Ears : Inspection ..... Hearing : Right Ear .....  
Left Ear .....

5. Glands ..... Thyroid .....

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully .....

8. Circulatory System :

- (a) Heart Any organic lesion ? ..... Rate  
Standing .....  
After hopping 25 times .....

2 minutes after hopping .....

(b) Blood Pressure : Systolic ..... Diastolic .....

9. Abdomen : Girth ..... Tenderness .....  
Hernia .....

(a) Palpable : Liver ..... Spleen .....  
Kidneys ..... Tumours .....

(b) Haemorrhoids ..... Fistula .....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities .....

11. Loco Motor System : Any abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance .....



- (b) Sp. Gr. ....  
 (c) Albumen ....  
 (d) Sugar ....  
 (e) Casts ....  
 (f) Cell .....

## 13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest....

14. Is there anything in the health of the candidates likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate? .....

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit .....  
 (ii) Unfit on account of .....  
 (iii) Temporarily unfit on account of .....

Chairman

Place .....

Date .....

Member  
 Member

## MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 4th December 1985

## RESOLUTION

No. 47(7)/82-FC(Vol. II).—In continuation of this Ministry's Resolution of even number dated the 16th August, 1985, the term of the Expert Committee to examine the possibility of the diversion of surplus flood water from the river Ganga to the river Yamuna is hereby extended from 1st November, 1985 to 31st March, 1986.

## ORDER

ORDERED that this resolution be recommended to the concerned States/Union Territories, Prime Minister's Secretariat, the Private and Military Secretary to the President, Comptroller and Auditor General of India, Planning Commission and the Ministries of Shipping and Transport, Defence, Education, Finance (Deptt. of Expenditure), Home Affairs, Railways, Works and Housing for information.

ORDERED that the resolution be published in the Gazette of India and the State Governments may be requested to publish in the State Gazette for general information.

S. J. THOMAS  
 Commissioner (RB)

